RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : मंगलवार 16 जनवरी 2024 वर्ष 05 अंक 265 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
(R)
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

महाराष्ट्र स्पीकर के फैसले के खिलाफ अब एकनाथ शिंदे का गुट पहुंचा कोर्ट, विधायकों की अयोग्यता का है मामला...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे का गुट एक बार फिर से कोर्ट पहुंचा है. दोनों गुटों ने विधायकों की अयोग्यता की याचिका को खारिज करने के महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर राहुल नार्वेकर के फैसले को चुनौती दी है. एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने राहुल नार्वेकर के निर्णय को बॉम्बे हाई कोर्ट में सोमवार (15 जनवरी) को चुनौती दी. वहीं उद्धव ठाकरे गुट ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है.

दरअसल, दोनों गुटों के एक दूसरे के विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने की याचिका पर फैसला सुनाते हुए राहुल नार्वेकर ने कहा था कि एकनाथ शिंदे की शिवसेना ही असली शिवसेना है. चुनाव आयोग ने ये माना है.

16 विधायकों के नाम

सीएम एकनाथ शिंदे, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. तानाजी सावंत, रोजगार मंत्री संदिपानराव भुमरे, अल्पसंख्यक विकास मंत्री अब्दुल सत्तार, भरत गोगावले, संजय शिरसाट, यामिनी जाधव, अनिलभाऊ बाबर, डॉ. किनिकर बालाजी प्रल्हाद, प्रकाश सुर्वे, महेश शिंदे, लता सोनवणे, चिमणराव रूपचंद पाटिल, रमेश बोरनारे, डॉ. संजय रायमुलकर और बालाजी कल्याणकर हैं. जून 2022 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना में विभाजन हो गया था.

राहुल नार्वेकर ने क्या कहा था?

राहुल नार्वेकर ने बुधवार को कहा था, ह्ळमेरे सामने सबसे बड़ा सवाल है कि असली शिवसेना कौन है. चुनाव आयोग ने कहा कि असली शिवसेना तो एकनाथ शिंदे की शिवसेना है. ऐसे में शिंदे सहित सत्तारूढ़ खेमे के 16 विधायकों को अयोग्य ठहराने की ठाकरे गुट की याचिका को खारिज कर दिया जाता है.ह्ळ नार्वेकर ने साथ ही उद्धव ठाकरे गुट के किसी विधायक को भी अयोग्य नहीं ठहराया था. नार्वेकर ने कहा था कि कोई भी पार्टी नेतृत्व किसी पार्टी के भीतर असंतोष या अनुशासनहीनता को दबाने के लिए संविधान की 10वीं अनुसूची (दलबदल विरोधी कानून) के प्रावधानों का उपयोग नहीं कर सकता है.

उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर के 'असली शिवसेना' वाले फैसले को सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

उद्धव ठाकरे ने असली शिवसेना को लेकर दिए गए महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अर्जी लगाई है. महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर ने बुधवार को अपने फैसले में कहा था कि एकनाथ शिंदे गुट ही असली शिवसेना है. स्पीकर ने अपना फैसला सुनाते हुए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत उनके गुट के 16 विधायकों और उद्धव ठाकरे गुट के 14 विधायकों की सदस्यता बरकरार रखी थी. स्पीकर के फैसले के बाद उद्धव ठाकरे ने कहा था कि उनका ये निर्णय सुप्रीम कोर्ट की अवमानना है. इसलिए लड़ाई जारी रहेगी. बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने 11 मई के फैसले में शिंदे गुट के व्हिप भरत गोगावले की नियुक्ति को अवैध ठहराया था. नार्वेकर ने इसे वैध ठहराया है. उद्धव ठाकरे ने पार्टी में बगावत करने वाले विधायकों को अयोग्य ठहराने की याचिकाओं को खारिज करने के स्पीकर के फैसले को भी सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है. बीते साल जून में अविभाजित शिवसेना के 16 विधायक बगावत करते हुए एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हो गए थे. बाद में एकनाथ शिंदे ने बीजेपी के साथ गठबंधन करके सरकार बना ली थी. शिंदे सीएम बने थे, जबकि बीजेपी नेता और पूर्ण सीएम देवेंद्र फडणवीस डिप्टी सीएम बने थे.

हालांकि, महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर ने सभी अयोग्यता याचिकाएं खारिज कर दी थीं. उद्धव ठाकरे ने स्पीकर नार्वेकर के तर्क को सुप्रीम कोर्ट का 'अपमान' और 'लोकतंत्र की हत्या' बताया है. ठाकरे ने स्पीकर राहुल नार्वेकर को शिंदे खेमे के निर्देशों पर काम करने का आरोप भी लगाया. उद्धव ठाकरे ने कहा, ''... कल संदेह व्यक्त किया था कि यह लोकतंत्र की हत्या की साजिश है.'' इस पूरे मामले पर महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर ने ठळ्ळ से कहा, ''उद्धव ठाकरे गुट के विधायकों को जो व्हिप दिया गया था, वह शायद ठीक से नहीं दिया गया था. इसका अर्थ है कि उन्हें अयोग्य ठहराना उचित नहीं था.''

सीएम शिंदे के दावोस दौरे पर आदित्य ठाकरे ने उठाए सवाल ?

पूछा- इतने लोगों को क्यों ले जा रहे हैं?

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे के दावोस दौरे पर शिवसेना (यूबीटी गुट) नेता आदित्य ठाकरे का कहना है, ''वह अपने साथ 50 लोगों का प्रतिनिधिमंडल ले जा रहे हैं... वह अपने साथ इतने लोगों को क्यों ले जा रहे हैं, कोई नहीं जानता.'' इन 50 लोगों में से कोई भी बिजनेसमैन नहीं है और कोई ऐसा नहीं है जो महाराष्ट्र के बारे में बोल सके. यहां ओएसडी, पीए, सांसद और पूर्व सांसद हैं... भले ही वे अपना खर्च खुद उठा रहे हों, क्या उनके पास विदेश मंत्रालय से अनुमति है?...''

आदित्य ठाकरे ने उठाये सवाल

वर्तमान सांसद, पूर्व सांसद, निजी एजेंसियों के कुछ प्रचारक, सीएम और डीसीएम के पीए की पूरी टीम, मुख्यमंत्री के ओएसडी साथ जा रहे हैं. आदित्य ठाकरे ने सवाल उठाते हुए कहा, इस प्रतिनिधिमंडल में कोई व्यवसायी नहीं हैं. यहां 50 लोग क्या

करेंगे? वहां केवल मुख्यमंत्री द्वारा एमओयू पर हस्ताक्षर किए जाएंगे, एमओयू के लिए केवल सरकार के प्रमुख और संबंधित अधिकारियों की आवश्यकता होती है. इतना बड़ा राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल क्यों?

आदित्य ठाकरे ने मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की. आदित्य ठाकरे ने कहा, 'असंवैधानिक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे अधिकारियों, कर्मचारियों आदि सहित लगभग 50 लोगों को दावोस ले जाने वाले हैं. जब उन्होंने आखिरी दौरा किया था तो उन्होंने 28 घंटे में 40 करोड़ रुपये खर्च कर दिए थे.'

मुंबई क्राइम ब्रांच ने नशे पर किया वार...!

लाखों के ड्रग्स के साथ 2 गिरफ्तार

मुंबई: नशे के खिलाफ मुंबई पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी बीच मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी नारकोटिक्स सेल की वर्ली यूनिट ने आग्रीपाड़ा इलाके से दो ड्रग्स पेडलर्स को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही इन पेडलर्स के पास से 58 लाख का चरस ड्रग्स बरामद किया गया है। इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ ठळ्ळर एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया और उन्हें गिरफ्तार किया है। फिलहाल पुलिस

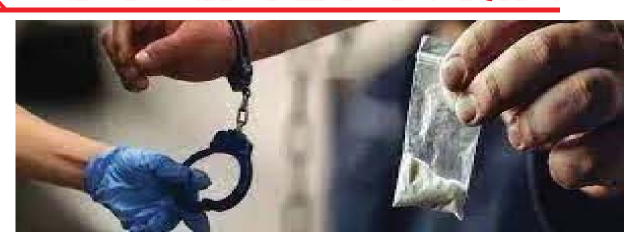

इस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। वहीं दोनों आरोपियों को कोर्ट ने 16 जनवरी तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया है।

16 जनवरी तक पुलिस कस्टडी

दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद मुंबई क्राइम ब्रांच ने उन्हें कोर्ट में पेश किया, जहां कोर्ट ने 16 जनवरी तक उन्हें पुलिस कस्टडी में भेजा। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि पेट्रोलिंग करते समय आग्रीपाड़ा इलाके में बेबी गार्डन गेट पास दो संदिग्ध दिखाई दिए। जब पुलिस ने दोनों की तलाशी ली तो उनके पास से 1 किलो 453 ग्राम चरस ड्रग्स बरामद हुआ। इसके बाद अब पुलिस ये पता करने में जुट गई है कि आखिर ये ड्रग्स कहां से लेकर आया गया था और किसे सप्लाई किया जाने वाला था। एक अन्य कार्रवाई में मुंबई क्राइम ब्रांच की यूनिट 10 ने अंधेरी इलाके में एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया।

नागपाड़ा पुलिस अस्पताल में पुलिसकर्मी ने की आत्महत्या!

मुंबई: 39 वर्षीय एक पुलिसकर्मी ने शनिवार को नागपाड़ा पुलिस अस्पताल की दूसरी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली. वह स्थानीय सशस्त्र पुलिस-3 में कार्यरत था. उन्हें हाल ही में माहिम पुलिस स्टेशन से वहां स्थानांतरित किया गया था। मृत पुलिसकर्मी का नाम कैलास एकनाथ गवली है. उन्हें माहिम से वर्ली के एल-3 डिवीजन में

कार्यालय में स्थानांतरित कर दिया गया था। चूंकि वह उस अवधि के दौरान 89 दिनों तक अनुपस्थित थे, इसलिए फिटनेस प्रमाणपत्र मांगा गया था। इसके लिए उन्हें नागपाड़ा पुलिस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रविवार को वह अस्पताल की दूसरी मंजिल पर बने शौचालय में गया। वहां वह खिड़की से नीचे कूद गया. उनके सिर पर चोट लगी थी. इसलिए, उन्होंने जे.जे. अस्पताल में भर्ती कराया गया. वहां इलाज के दौरान गवली की मौत हो गई.

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

महाराष्ट्र में भूजल केवल 45 प्रतिशत ही शेष

भारत में 2.19 मिलियन से अधिक कुएं, खोदे गए कुएं, उथले ट्यूबवेल, मध्यम ट्यूबवेल और गहरे ट्यूबवेल हैं, जो पृथ्वी के पेट से भारी मात्रा में बहुमूल्य भूजल खींचते हैं, लेकज्नि चिंता की बात यह है कि इस पानी की केवल मामूली मात्रा ही पुन: रिचार्ज हो पाती है।इनमें से, महाराष्ट्र में 3.2 मिलियन से अधिक कुएं हैं जिनमें 27,49,088 खोदे गए कुएं, 131,100 उथले ट्यूबवेल, 174,194 मध्यम ट्यूबवेल और 179,583 गहरे ट्यूबवेल शामिल हैं।दिसंबर 2023 में संसद में प्रस्तुत केंद्र के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार सभी प्रकार के 3.9 मिलियन से अधिक कुओं के साथ उत्तर प्रदेश इस सूची में शीर्ष पर है, लेकिन सुखद बात यह है कि सिक्किम और मणिपुर ही ऐसे राज्य हैं जहां किसी भी प्रकार का कोई कुआं नहीं है, जबकि दिल्ली, पंजाब और चंडीगढ़ में कोई खोदा हुआ कुआं नहीं है, हालांकि उनके पास बोरवेल हैं। महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीसीबी) की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में लगभग 70 प्रतिशत सतही जल 'उपभोग के लिए अनुपयुक्त' माना जाता है, और लगभग 40 मिलियन लीटर अपशिष्ट जल का केवल एक छोटा सा हिस्सा नदियों में बहा दिया जाता है और देश में अन्य ताजे जल निकायों को पानी की गुणवत्ता को खराब होने से बचाने के लिए प्रतिदिन पर्याप्त उपचार किया जाता है।विवरण वैश्विक स्तर पर और भी चौंकाने वाले हैं, जहां दुनिया का 80 प्रतिशत से अधिक अपशिष्ट-जल बिना उपचारित या पुनर्चक्रित किए प्रकृति में छोड़ दिया जाता है, जबकि ग्लोबल वार्मिगं का खतरा और इसके प्रभाव ग्रह पर भारी रूप से मंडरा रहे हैं।दुनिया भर में लगभग 200 करोड़ (2 बिलियन) लोग मल और अन्य प्रदूषकों से दूषित पानी का उपयोग करते हैं जो बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य संबंधी खतरे पैदा करते हैं, इनमें से कई के परिणाम घातक होते हैं।

दुनिया में लगभग 45 करोड़ (450 मिलियन) बच्चे उच्च या अत्यधिक उच्च जल भेद्यता में रहते हैं, और संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि 2030 तक पानी की कमी के कारण लगभग 70 करोड़ (700 मिलियन) बच्चे विस्थापित हो सकते हैं।ऐसे गंभीर परिदृश्य में, महाराष्ट्र चिंता की एक तस्वीर प्रस्तुत करता है, इसमें लगभग 55 प्रतिशत कीमती भूजल संसाधन समाप्त हो रहे हैं, और विभिन्न कारकों के कारण भूमिगत जल का दोहन बढ़ रहा है, खासकर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती मानव आबादी के कारण। .अग्रणी जल विशेषज्ञ और पूर्व सदस्य, महाराष्ट्र जल संसाधन नियामक प्राधिकरण (एमडब्ल्यूआरआरए) और महाराष्ट्र राज्य भूजल प्राधिकरण (एमएसजीडब्ल्यूए) विनोद तिवारी ने चेतावनी दी है कि यदि कड़े उपायों को प्राथमिकता पर नहीं माना गया, तो महाराष्ट्र में अनियंत्रित दोहन के रूप में पारिस्थितिक स्वास्थ्य की अपूरणीय क्षति हो सकती है। कानूनों के कार्यान्वयन न होने के कारण भूजल संसाधनों का ह्रास लगातार जारी है।

उन्होंने कहा कि औद्योगिक, वाणिज्यिक या यहां तक कि कृषि के लिए भूजल के दोहन पर सख्ती से प्रतिबंध है, हालांकि पीने और खेती के उद्देश्यों के लिए 18 मीटर (60 फीट) गहराई तक के कुओं के पानी की अनुमति है।तिवारी ने आईएएनएस को बताया,''नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) और एमडब्ल्यूआरआरए के आदेशों के बावजूद, मुंबई, पुणे और अन्य शहरों में, पानी के टैंकर माफिया ने भूजल को सालाना 5,000 करोड़ रुपये से अधिक के एक संपन्न व्यवसाय उद्यम में बदल दिया है, जिसमें बड़े राजनेता भी शामिल हैं।''भारत के गतिशील भूजल संसाधनों के राष्ट्रीय संकलन (एनसीडीजीडब्ल्यूआर) 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग उम्र की विविध प्रकार की चट्टानें हैं, लेकिन ज्यादातर डेक्कन ट्रैप द्वारा कवर की गई हैं।अन्य भूवैज्ञानिक संरचनाएं राज्य के उत्तर-पूर्वी हिस्सों और तटीय सिंधुदुर्ग और रत्नागिरी जिलों में कुछ हिस्सों में पाई जाती हैं, लेकिन एक बड़ा हिस्सा बेसाल्टिक कठोर चट्टानों के नीचे है, जहां खोदे गए कुएं बसे हुए हैं।

अधिकतर भूमिगत और फ्रैक्चर/जोड़ों का दोहन करने से, 3-15 मीटर के व्यास और 6 मीटर या उससे अधिक की गहराई वाले खोदे गए कुओं की पानी की उपज केवल 3-5 लीटर प्रति सेकंड (एलपीएस) से भिन्न हो सकती है।राज्य के एक छोटे से हिस्से में अर्ध-समेकित तलछटी चट्टानें हैं जहां ट्यूब-वेल से 5-45 एलपीएस के बीच उपज मिलती है।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

उद्धव ठाकरे अपने मुख्यमंत्री काल में महाराष्ट्र को 10 साल से अधिक पीछे ले गए - शिंदे

मुंबई। लोकसभा चुनाव करीब आते ही आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला शुरू हो गया। रविवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे अपने बेटे श्रीकांत शिंदे के बचाव में उतरे। दरअसल, पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (UBT) नेता उद्धव ठाकरे ने हाल ही में वंशवाद की राजनीति को खत्म करने की बात कही थी।

एकनाथ शिंदे ने वंशवादी राजनीति को लेकर उद्धव ठाकरे पर पलटवार करते हुए महाविकास अघाड़ी सरकार को गिराने के पीछे का कारण समझाया। एकनाथ शिंदे के बेटे श्रीकांत शिंदे कल्याण सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे में शनिवार को कल्याण दौरे पर सभाओं को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने लोगों से वंशवादी राजनीति को खत्म करने के लिए कहा था। साथ ही उद्धव ठाकरे ने कहा था कि एकनाथ शिंदे के बेटे को टिकट देना एक गलती थी।

अपने बेटे की उम्मीदवारी को सही ठहराते हुए एकनाथ शिंदे ने कहा कि पार्टी लोकसभा चुनाव में एक सुशिक्षित और युवा चेहरे की तलाश कर रही थी। इस कारण श्रीकांत को टिकट दिया गया और हम जीत गए। हमारी पार्टी की सीटें बढ़ीं। उन्होंने कहा,

एकनाथ शिंदे ने वंशवादी राजनीति को लेकर उद्धव ठाकरे पर पलटवार करते हुए महाविकास अघाड़ी सरकार को गिराने के पीछे का कारण समझाया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जहां देश को तेजी से आगे ले जा रहे हैं। वहीं, 2019 के अंत से जून 2022 के बीच उद्धव ठाकरे अपने मुख्यमंत्री काल में महाराष्ट्र को 10 साल से अधिक पीछे ले गए। इसी वजह से हमने उनकी सरकार गिरी दी।

एकनाथ शिंदे ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्व है कि कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को केवल किसी के अहंकार को संतुष्ट करने के लिए रोक दिया गया। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे के आरोपों का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि जब कोई फैसला उनके खिलाफ जाता है तो वह संस्थानों की आलोचना करने लगते हैं। सनद रहे कि उद्धव ठाकरे खुद एक राजनीतिक परिवार से हैं, क्योंकि उनके पिता बाल ठाकरे शिवसेना के संस्थापक थे। उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे पिछली राज्य सरकार में मंत्री थे।

कोहरे व ठंड के कारण सचखंड एक्सप्रेस की निरस्त

नांदेड़ : उत्तर भारत में पड़ रही ठंड व कोहरे के कारण ट्रेन यातयात प्रभावित हो रहा है। जिस कारण ट्रेनें 10,15, 20 घंटे देरी से चल रही है। इसी के कारण 15 जनवरी को नांदेड़-अमृतसर सचखंड एक्सप्रेस प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त की गई है। 13 जनवरी को अमृतसर स्टेशन से प्रस्थान कर नांदेड़ को जाने वाली गाड़ी संख्या 12716 अमृतसर-नांदेड़ सचखंड एक्सप्रेस ज्यादा विलंब से चल रही है। इसलिए 15 जनवरी को नांदेड़ स्टेशन से प्रस्थान करने वाली गाड़ी संख्या 12715 नांदेड़-अमृतसर सचखंड एक्सप्रेस प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी।

नालासोपारा में 452 करोड़ के सीवेज प्रोजेक्ट का टेंडर आखिरकार जारी...

नगर पालिका पर लगा 100 करोड़ का जुमार्ना होगा माफ

वसई: नगर पालिका ने शहर में सीवेज के उपचार के लिए 452 करोड़ रुपये की सीवेज जल परियोजना (एसटीपी) के लिए एक नया टेंडर जारी किया है। यह सीवेज प्लांट नालासोपारा में स्थापित किया जाएगा और हर दिन 103 मिलियन लीटर सीवेज का उपचार करेगा। जल प्रदूषण को लेकर ग्रीन आर्बिट्रेटर ने नगर पालिका पर 100 करोड़ का जुमार्ना लगाया है. हालाँकि, नगर पालिका द्वारा सीवेज परियोजना की प्रक्रिया शुरू करने पर यह जुमार्ना माफ होने की संभावना है।

वसई विरार नगर निगम ने शहर में कुल 7 सीवेज परियोजनाओं का प्रस्ताव दिया था। इसमें से एकमात्र सीवेज प्रोजेक्ट विरार के बोलिंज में चल रहा है। यह प्रतिदिन 20 मिलियन लीटर सीवेज का प्रसंस्करण करता है। शहर का बाकी सीवेज बिना उपचारित किए समुद्र में बहाया जा रहा है। इस प्रकार के जल प्रदूषण के कारण बहुत अधिक जल प्रदूषण होता है। प्रदूषण को लेकर ग्रीन आर्बिट्रेटर ने नगर पालिका पर जुमार्ना भी लगाया था. इसके बाद नगर पालिका ने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण के लिए गतिविधियां शुरू कर दी थीं। लेकिन फंडिंग और जगह की कमी समस्याएँ थीं। आखिरकार केंद्र की अमृत-02 के तहत धनराशि की मंजूरी मिलने पर पालिका ने काम तेज कर दिया है।

लोकसभा चुनाव को लेकर देशभर में राजनीतिक पार्टियों में घमासान

मुंबई : लोकसभा चुनाव को लेकर देशभर में राजनीतिक पार्टियों में घमासान शुरू हो गया है। शंखनाद होने में बस कुछ ही महीने बाकी हैं, ऐसे में हर पार्टी ताकत झोंकने में जुट गई है। इसी कड़ी में महाराष्ट्र के ठाणे जिले की सभी तीन लोकसभा सीटें जीतने के लिए महायुति गठबंधन को मजबूत करने के लिए केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल, कल्याण के सांसद श्रीकांत शिंदे और अन्य नेताओं ने रविवार को कसम खाई।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना, भाजपा और राकांपा (अजित पवार गुट) के अलावा छोटे

घटक दलों के नेताओं ने शाम को यहां एक सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर बोलते हुए, भाजपा के पूर्व राज्यसभा सदस्य विनय सहस्त्रबुद्धे ने राष्ट्रीय भक्ति पर जोर दिया और कहा कि राम भक्ति व्यक्तिगत संबद्धता से परे है और श्री राम प्रतिज्ञा दिलाई।

वहीं, केंद्रीय राज्य मंत्री कपिल पाटिल ने किसान सम्मान और आयुष्मान भारत जैसी सरकारी योजनाओं के प्रभाव के बारे में बात की। उन्होंने महायुति कार्यकताओं से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए तीसरा कार्यकाल सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से सहयोग करने का आग्रह किया। इसके साथ ही महाराष्ट्र के मंत्री रवींद्र चव्हाण और सांसद श्रीकांत शिंदे ने भी दस वर्षों में राम मंदिर सहित महत्वपूर्ण परियोजनाओं को पूरा करने के लिए पीएम मोदी के शासन की सराहना की।

शिवसेना के नरेश म्हस्के ने समर्थकों से 'नमो सैनिक' बनने का आग्रह किया, जबकि राकांपा के आनंद परांजपे ने तीनों लोकसभा सीटें जीतने के लिए एकजुट प्रयास करने की अपील की। बता दें कि ठाणे जिले में भिवंडी, ठाणे और कल्याण तीन संसदीय क्षेत्र हैं, जिनमें से दो भाजपा और शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के पास हैं।

कांदिवली इलाके में 23 मंजिला इमारत में लगी आग...

मुंबई : महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के कांदिवली इलाके में एक 23 मंजिला इमारत में सोमवार सुबह भीषण आग लग गई. इस घटना की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई हैं और आग पर काबू पाने की कोशिशें जारी है. फिलहाल इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं.

इससे पहले शनिवार को मुंबई के डोंबिवली इलाके में स्थित लोढ़ा फेज 2 खोना एस्ट्रेला टावर में भीषण आग लग गई थी, जिसमें इस इमारत की पांच से छह मंजिल की गैलरी जलकर खाक हो गई. हालांकि इस दौरान राहत की एक बात यह रही कि कि इमारत में तीसरी मंजिल तक ही लोग रह रहे थे, जिन्हें आग लगने के तुरंत बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया.

शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी आग

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, शॉर्ट सर्किट के वजह से यह आग लगी है. आग इतनी तेज थी कि यह जल्द ही ऊपरी मंजिल तक फैल गई. इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि इमारत से भंयकर आग की लपटे निकल रही हैं. अच्छी खबर यह रही कि मौके पर फायर ब्रिगेड की टीम गाड़ियां लेकर पहुंचीं.

शहरों से कार की चोरी करने वाले एक गैंग का भंडाफोड़!

बाप-बेटों का गैंग चला रहा था चोरी का फैमिली बिजनेस

मुंबई : छत्रपति सांभाजी नगर पुलिस ने कार चोरी का 'फैमिली बिजनेस' चला रहे दो लोगों को गिरफ्तार किया है. इस परिवार ने कार चोरी का गैंग बना रखा था जिसमें एक व्यक्ति और उसके तीन बेटे शामिल थे. फिलहाल पुलिस ने पिता और एक बेटे को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस की पूछताछ में हैरान करने वाली जानकारी सामने आई है. पिता और बेटे मिलकर कार चुराते और फिर उन्हें अस्पताल के पार्किंग लॉट में पार्क कर देते थे ताकि किसी की नजर में न आएं. इस गैंग पर राज्यभर में 50 से ज्यादा मामले दर्ज हैं और उन्होंने अकेले छत्रपति सांभाजीनगर से 9 गाड़ियां चुराई हैं. पिता-पुत्र की इस जोड़ी की पहचान शेख दाऊद (58) और अरबाज (19) के रूप में हुई है. अरबाज, दाऊद का सबसे छोटा बेटा है. चोरी के इस अपराध में उनके साथ परिवार के सदस्य के अलावा पंजाब से उनका एक साथी भी शामिल था.

रिपोर्ट के मुताबिक क्राइम ब्रांच के एसआई प्रवीण वाघ न बताया कि यह जानकारी सामने आई थी कि हर चोरी के बाद कार को वे अस्पताल में पार्क कर देते थे. वे मरीजों के रिश्तेदार के रूप में खुद को दिखाते थे और अस्पताल के परिसर में कार पार्क कर देते थे. दो-तीन दिन इंतजार करने के बाद, वे कार को को दूर ले जाते थे या तो दक्षिण भारत या उत्तर भारत और फिर उसे ठिकाने लगा देते थे. बताया जा रहा है कि अपने साथी के साथ मिलकर कार के सिक्योरिटी अलार्म को डिसेबल कर देते थे. सिक्योरिटी अलार्म को डिसेबल करते ही ये कार को दो-चार मिनट के अंदर ही चुरा लेते थे. इन लोगों ने महाराष्ट्र के लगभग सभी बड़े शहरों से कार की चोरी की है. सीसीटीवी कैमरे में इन चोरों के चेहरे दिखने के बावजूद भी इन्हें पकड़ना मुश्किल हो गया था. इन लोगों ने जो आखिरी कार चुराई है उसकी कीमत 20 लाख रुपये है.

मुंबई के परेल में स्कूल के स्टोर रूम में लगी भीषण आग, आसमान तक उठा धुआं... कोई हताहत नहीं

मुंबई : मुंबई के परेल में बीएमसी स्कूल में सोमवार सुबह भीषण आग लग गई। अधिकारियों के अनुसार, स्कूल में लगभग दो-तीन विस्फोटों से आग भड़क गई। उन्होंने कहा कि आग लगने के कारण की जांच की जा रही है। अधिकारियों ने आगे कहा कि आग में किसी के घायल होने या हताहत होने की सूचना नहीं है। मकर संक्रांति के कारण छुट्टी के कारण स्कूल में कोई नहीं था।

हॉल में रखे गद्दे की वजह से फैली आग

अधिकारियों ने कहा, ''आज सुबह परेल के एक बीएमसी स्कूल में आग लग गई। मकर संक्रांति की छुट्टी के कारण स्कूल में कोई नहीं था। आग स्कूल की इमारत से जुड़े एक हॉल में फैल गई। हॉल में गद्दे रखे हुए थे, जिसके कारण आग लग गई। गद्दों के पास सॉकेट थे, जिनमें आग लग गई और परिणामस्वरूप 2-3 विस्फोट हुए।'' उन्होंने बताया कि अग्निशमन विभाग को आग लगने की सूचना सुबह 9.10 बजे मिली। सूचना मिलने पर चार फायर ब्रिगेड की गाड़ियां और कई पानी के टैंकरों को घटनास्थल पर तैनात किया गया और स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए ऑपरेशन शुरू किया गया।

किसी के हताहत होने की खबर नहीं

अधिकारियों ने कहा, ''फिलहाल, यह लेवल 1 (निम्नतम स्तर) की आग है। चार फायर ब्रिगेड और चार पानी के टैंकर मौके पर हैं।'' उन्होंने कहा, ''अभी तक किसी के घायल होने या हताहत होने की सूचना नहीं है।'' अधिकारियों के अनुसार, इससे पहले दिन में मुंबई के कांदिवली इलाके में एक 23 मंजिला इमारत में आग लग गई। आग की घटना में कोई घायल या हताहत नहीं हुआ है। एक अधिकारी ने कहा, ''मिंट कॉलोनी मोनोरेल स्टेशन के सामने स्थित पांच मंजिला साईबाबा स्कूल में सुबह करीब 9.15 बजे आग लग गई। दमकल की चार गाड़ियां और पानी के टैंकर तुरंत स्कूल पहुंचे और 20 मिनट के भीतर आग पर काबू पा लिया।''

आसमान तक उठा धुआं

उन्होंने कहा कि आग भूतल पर एक स्टोर रूम में लगी जहां गद्दे रखे हुए थे। आग की लपटें मुख्य रूप से बिजली के तारों और अन्य फिटिंग तक ही सीमित थीं। आग लगने का सटीक कारण तुरंत पता नहीं चल सका है, लेकिन क्षेत्र के कुछ निवासियों ने दावा किया है कि उन्होंने स्कूल की इमारत में गैस सिलेंडरों के कई विस्फोटों को सुना है। आग से उठे काले धुएं का घना बादल दूर से ही इलाके में दिखाई दे रहा था। अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल पर कूलिंग ऑपरेशन चल रहा था।

विशेष बच्चों के लिए नायर अस्पताल में उपलब्ध होगी टेलीमेडिसिन सुविधा...

ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों के मरीजों को होगा फायदा

मुंबई: विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को एक छत के नीचे उपचार प्रदान करने के लिए नायर अस्पताल में शुरू किए गए 'प्रारंभिक उपचार और पुनर्वास केंद्र' से मुंबई, ठाणे, भिवंडी और आसपास के क्षेत्रों के मरीज लाभान्वित हो रहे हैं। लेकिन अब नायर अस्पताल प्रशासन ने इसका लाभ राज्य के ग्रामीण इलाकों के मरीजों तक पहुंचाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं. अस्पताल प्रशासन टेलीमेडिसिन के जरिए यह सुविधा उपलब्ध कराने पर विचार कर रहा है ताकि ग्रामीण इलाकों के मरीजों को इसका फायदा मिल सके.

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों और उनके माता-पिता को अपने दैनिक जीवन में कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इन बच्चों की देखभाल करने और उनके सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के लिए, नायर अस्पताल ने 'प्रारंभिक उपचार और पुनर्वास केंद्र' के माध्यम से सभी प्रकार के चिकित्सा विषयों को मिलाकर एक अत्याधुनिक सुविधा प्रदान की है। इन केंद्रों से मरीजों को होने वाले लाभ को देखते हुए मुंबई नगर निगम ने पूर्वी और पश्चिमी उपनगरों में ऐसे केंद्र शुरू करने का निर्णय लिया है। इसके मुताबिक जगह ढूंढने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है. 'प्रारंभिक उपचार एवं पुनर्वास केंद्र' के प्रति मरीजों की प्रतिक्रिया को देखते हुए नायर अस्पताल द्वारा ग्रामीण मरीजों को भी इसका लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

मुंबई, ठाणे, पालघर, भिवंडी जैसे इलाकों से बड़ी संख्या में मरीज 'प्रारंभिक उपचार और पुनर्वास केंद्रों' में आ रहे हैं। ग्रामीण और सुदूरवर्ती इलाकों के मरीज इलाज से वंचित हैं. इन मरीजों के इलाज के लिए यह सुविधा शुरू की जायेगी. इसके मुताबिक, ग्रामीण इलाकों के मरीजों को पहले अस्पताल आकर रजिस्ट्रेशन कराना होगा और डॉक्टरों से जांच करानी होगी. जांच के बाद, माता-पिता को फिजियोथेरेपी, व्यावसायिक चिकित्सा और श्रवण चिकित्सा में प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके बाद डॉ. ने कहा कि उन्हें घर पर रहकर टेलीमेडिसिन के माध्यम से इलाज के बारे में मार्गदर्शन दिया जायेगा. सुधीर मेढेकर ने कहा.

एक सरकारी ठेकेदार ने 26 साल की महिला के साथ किया बलात्कार

मुंबई : महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर शहर से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। जहां अपने पति से अलग हो चुकी 26 साल की एक महिला के साथ एक सरकारी ठेकेदार ने बार-बार बलात्कार किया। पीड़िता ने बताया कि आरोपी से उसकी पहचान एक डेटिंग ऐप पर हुई थी। सरकारी ठेकेदार ने ऑफिस में बुलाकर पहली बार बलात्कार किया और अश्लील वीडियो बना लिया। शिकायत के मुताबिक, आरोपी ने पीड़ित महिला को सिडको के करीब स्थित अपने ऑफिस में बुलाया था। जहां उसने महिला से रेप किया और उसकी अश्लील वीडियो और फोटो खींच ली। उसे वायरल करने की धमकी देकर पीड़िता को मुंह बंद रखने की धमकी दी। आरोपी का नाम अमोल विट्ठल पाटिल (उम्र 40 वर्ष) है। वह सिडको के टाउन सेंटर के पास रहता है। पीड़िता की ओर से दर्ज शिकायत के मुताबिक, उसकी शादी फरवरी 2022 को एक मुस्लिम लड़के से हुई थी। हालाँकि, कुछ ही दिनों में उनमें झगड़ा हो गया और अप्रैल 2022 से वह उससे अलग होकर शहर में अकेले रहने लगी। एक प्राइवेट ट्यूशन में शिक्षिका के रूप में पढ़ाने लगी। इसी बीच उसने एक डेटिंग ऐप पर अकाउंट खोला। जहां उसकी पहचान आरोपी अमोल पाटिल से हुई।

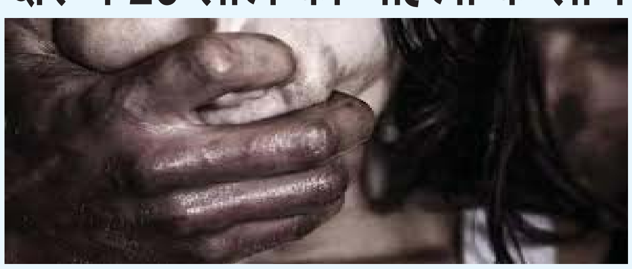

आरोप है कि पाटिल ने पीड़िता से कहा कि वह अपना बायोडाटा लेकर उसके ऑफिस मिलने आये। पीड़ित बायोडाटा लेकर उसके ऑफिस गयी। जहां पाटिल ने बातचीत में बताया कि उसकी पत्नी उसे छोड़कर नासिक में रहने लगी है। और वह अपने माता-पिता और भाई के साथ संभाजीनगर में रहता है। उसने पीड़िता से शादी करने की इच्छा जताई। लेकिन पीड़िता ने शादी करने से इनकार कर दिया। इसके बाद अमोल ने ऑफिस में उसके साथ दुष्कर्म किया और उसकी अश्लील तस्वीरें और वीडियो बना लीं। उसने धमकी दी कि अगर उसने किसी को कुछ बताया तो उसे जिंदा नहीं छोड़ेगा। उसने डर की वजह से पुलिस में शिकायत नहीं दर्ज करवाई। शिकायत में यह भी कहा गया है कि पीड़िता को बेल्ट से पीटा भी गया।

वर्षा गायकवाड़ ने मिलिंद देवड़ा से की ये अपील...

नाना पटोले बोले- 'दो बार का हारा उम्मीदवार...'

मुंबई : कांग्रेस की मुंबई इकाई की अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ ने रविवार को कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पूर्व केंद्रीय मंत्री मिलिंद देवड़ा ने उस दिन पार्टी छोड़ी है जब राहुल गांधी की अगुवाई में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' हिंसाग्रस्त मणिपुर से शुरू हुई है. कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने इसे 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' से ध्यान भटकाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की साजिश बताया और ''दो बार का हारा उम्मीदवार'' बताकर देवड़ा पर तंज कसा. पूर्व मुख्यमंत्री अशोक च''ाण ने कहा कि देवड़ा दक्षिण मुंबई लोकसभा सीट से चुनाव लड़ना चाहते हैं.

क्या बोले नाना पटोले ?

इस मुद्दे पर महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' से डरी हुई है. उन्होंने कहा, ''बीजेपी अफवाह फैला रही है कि कांग्रेस में विभाजन होगा. अब बीजेपी और उसके सहयोगी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' से ध्यान भटकाने के लिए दो बार के हारे उम्मीदवार को अपने खेमे में शामिल कर रहे हैं. यह प्रयास कामयाब नहीं होगा.'' पटोले ने कहा कि यात्रा मुंबई में समाप्त होगी और इसके साथ ही एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना, बीजेपी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अजित पवार गुट वाले सत्तारूढ़ गठबंधन का अंत हो जाएगा. देवड़ा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर रविवार को लिखा, ''आज मेरी राजनीतिक यात्रा के एक महत्वपूर्ण अध्याय का समापन हुआ. मैंने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है और इसी के साथ पार्टी से मेरे परिवार का 55 साल पुराना रिश्ता खत्म हो गया है. मैं वर्षों तक अटूट समर्थन देने के लिए सभी नेताओं, सहकर्मियों और कार्यकताओं का आभारी हूं.'' पिछले कुछ दिनों से यह अटकलें लगायी जा रही हैं कि वह एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना में शामिल हो सकते हैं.

कांग्रेस नेता ने कही ये बात

पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस कार्यकारी समिति के सदस्य अशोक च''ाण ने कहा कि देवड़ा दक्षिण मुंबई लोकसभा सीट से चुनाव लड़ना चाहते हैं लेकिन महा विकास आघाडी गठबंधन की इस पर सहमति बनी कि मौजूदा सांसद को ही टिकट देना चाहिए. च''ाण ने कहा, ''उन्हें कोई और मौका मिल सकता था. लेकिन पार्टी छोड़ना उनका फैसला है.'' अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के हाल में संयुक्त कोषाध्यक्ष नियुक्त किए गए देवड़ा ने दक्षिण मुंबई लोकसभा सीट पर उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना (यूबीटी) द्वारा दावा जताए जाने पर असहमति जतायी थी. अविभाजित शिवसेना के अरविंद सावंत ने 2014 और 2019 के आम चुनाव में देवड़ा को हराया था. वह अब ठाकरे गुट के साथ हैं.

वर्षा गायकवाड़ ने की ये अपील

गायकवाड़ ने एक वीडियो बयान में दक्षिण मुंबई से लोकसभा के पूर्व सदस्य से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करते हुए कहा कि उनका परिवार और कांग्रेस परिवार एक साथ रहा है. उन्होंने कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देवड़ा ने इस्तीफा देने के लिए उस दिन को चुना जब 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' मणिपुर से शुरू हुई है. मैं उनसे अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करती हूं. कांग्रेस हमेशा उनके साथ खड़ी रही है.'' मुंबई के धारावी क्षेत्र से विधायक गायकवाड़ ने कहा, ''कांग्रेस पार्टी और मैं इस कदम से बहुत दुखी हैं. एआईसीसी प्रभारी और मैंने मिलिंद देवड़ा को समझाने की कोशिश की कि हम एक परिवार हैं और हमें साथ रहना चाहिए.''

महाराष्ट्र में सभी मंदिरों में चलेगा सफाई अभियान

पीएम मोदी की अपील के बाद सीएम शिंदे का एलान

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे राज्य के सभी मंदिरों में सफाई अभियान चलाएं और सुनिश्चित करें कि 22 जनवरी को अयोध्या स्थित राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले एक सप्ताह के भीतर बदलाव ''दिखाई दे.'' शिंदे ने रविवार को यहां अपने आधिकारिक आवास पर एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए ये निर्देश दिए. शिंदे ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंदिरों को साफ रखने का आ''ान किया है. महाराष्ट्र में जिलाधिकारियों को सभी मंदिरों में सफाई अभियान चलाना चाहिए और उन्हें 'इलेक्ट्रिक लाइट' से सजाना चाहिए. बदलाव एक सप्ताह के भीतर नजर आना चाहिए.''

उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले की जिला योजना एवं विकास परिषद (डीपीडीसी) को मंदिरों और आसपास की सफाई के लिए नियमित अंतराल पर कुछ धन आवंटित करना चाहिए. एक विज्ञप्ति के अनुसार, शिंदे ने जिलाधिकारियों से कहा कि डीपीडीसी एक विशेष योजना के माध्यम से धन आवंटित कर सकती हैं.मुख्यमंत्री ने राज्य के राजस्व विभाग को इस काम की निगरानी के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने का भी निर्देश दिया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के सबसे लंबे समुद्री पुल 21.8 किलोमीटर लंबे मुंबई ट्रांस-हार्बर लिंक (एमटीएचएल) का उद्घाटन करने से पहले शुक्रवार को महाराष्ट्र के नासिक में कालाराम मंदिर में 'स्वच्छता अभियान' में हिस्सा लिया था.

अंधेरी इलाके में फर्जी कॉल सेंटर का मुंबई क्राइम ब्रांच ने किया भंडाफोड़ !

पैसे लेकर नहीं करते थे दवाई की डिलीवरी

अंधेरी : मुंबई क्राइम ब्रांच की यूनिट 10 ने अंधेरी इलाके में एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया। फर्जी कॉल सेंटर में अमेरिकी नागरिकों को दवाओं की बिक्री के नाम पर ठगा जाता था। क्राइम ब्रांच के अधिकारी ने बताया की ''द समिट बिजनेस बे''(ओमकार) नाम की कंपनी के परिसर में छापेमारी की और 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। क्राइम ब्रांच ने आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 420 और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की अन्य संबंधित प्रावधानो के तहत मामला दर्ज किया। अधिकारी ने बताया कि वीओआईपी कॉलिंग के माध्यम से आरोपी अमेरिकी नागरिकों को ठगने का काम करते थे।

उन्होंने कहा कि आरोपी खुद को ऑनलाइन दवा कंपनी का प्रतिनिधि बताते थे। आरोपी पीड़ितों से दवाओं का ऑर्डर लेकर पेमेंट का भुगतान करवाते थे। लेकिन उन्हें दवा की डिलीवरी नहीं करते थे। अमेरिकी नागरिक इन आरोपियों को डॉलर में भुगतान किया करते थे। छापेमारी के दौरान क्राइम ब्रांच ने कंप्यूटर और कुछ अहम दस्तावेजों को भी बरामद किया। बता दें कि इससे पहले मुंबई क्राइम ब्रांच की यूनिट 9 ने 12 करोड़ रुपये की कीमत के गुटखे को बरामद किया है। इस मामले में क्राइम ब्रांच ने 7 आरोपियो को गिरफ्तार किया था।

12 करोड़ के गुटखे पर छापेमारी

दरअसल मुंबई क्राइम ब्रांच की यूनिट 9 के सीनियर अधिकारी दया नायक की टीम ने पालघर जिले के कासा इलाके में छापेमारी की थी। इस दौरान उन्होंने 12 करोड़ रुपये की कीमत के प्रतिबंधित उत्पाद गुटखा जब्त किया। बता दें कि पुलिस ने इस मामले में 7 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। क्राइम ब्रांच के अधिकारी ने बताया कि हमने विभिन्न प्रकार के गुटखा, पान मसाला और ट्रकों सहित कुल मिलाकर 12 करोड़ रुपये की प्रतिबंधित उत्पाद को जब्त किया था। क्राइम ब्रांच अब इस मामले में आगे की जांच कर रही है और यह पता लगाने में जुटी हुई है कि आखिर यह गुटखा कहां से आया था।

मिलिंद देवड़ा ने खोल दिया राज...

एकनाथ शिंदे के आशीर्वाद से मुंबई दक्षिण से लड़ेंगे चुनाव

मुंबई : ऐसे समय में जब 2024 का लोकसभा चुनाव करीब है, बहुत से समीकरण उसी के इर्द-गिर्द साधे जाएंगे. नया साल शुरू होते ही जब कांग्रेस के एक दिग्गज युवा नेता का इस्तीफा हुआ तो उसकी वजह तलाशी जाने लगी. कांग्रेस का 'हाथ' छोड़ मुंबई के युवा चेहरे मिलिंद देवड़ा आखिर एकनाथ शिंदे की शिवसेना में क्यों शामिल हुए? इसका जवाब मिलिंद के उस लेटर में ही छिपा है, जो उन्होंने अपने फैसले के बाद हिंदी, अंग्रेजी और मराठी में लिखा है. उन्होंने पहली लाइन में लिखा कि प्रिय मतदाताओं, समर्थकों और शुभचिंतकों, मेरे लिए यह बताना जरूरी है कि मैंने कांग्रेस से अलग होने और सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के साथ जुड़ने का फैसला क्यों किया? कांग्रेस में सुधारों और जवाबदेही में सुस्ती के साथ गांधी परिवार की बात करते हुए उन्होंने आखिर के पैराग्राफ में इस बात संकेत दिया है कि उनका मकसद क्या है. हां, पहले वो पैराग्राफ पढ़ लीजिए. मिलिंद ने लिखा है, 'कांग्रेस के साथ परिवार के 55 साल से चले आ रहे राजनैतिक रिश्तों के बाद, मेरा अलग होने का फैसला बहुत ही भावुक करने वाला है. मैं ऐसे नेता के साथ काम करना चाहता हूं जो रचनात्मक विचारों को महत्व देता है, मेरी क्षमताओं को पहचानता है.

विरार में सुबह-सुबह एक घर पर फायरिंग...

वसई: विरार में मोबीन शेख के घर पर सुबह-सुबह फायरिंग की घटना हुई है. लेकिन इस फायरिंग में कोई घायल नहीं हुआ. विरार पुलिस हमलावरों की तलाश कर रही है. मोबीन शेख (42) अपनी पत्नी और बच्चों के साथ विरार पूर्व के गोपचर पाड़ा में आशियाना बिल्डिंग में रहते हैं। सोमवार सुबह करीब 3:30 बजे किसी ने उनके घर का दरवाजा खटखटाया और उसी समय अज्ञात हमलावरों ने खिड़की से गोली मार दी.

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : शॉप नंबर ४ , मदीना मेंशन, ८९ ए, कैडल रोड, अपोजिट बिल्लाबोंग स्कूल, माहिम पश्चिम, मुंबई ४०००१६ , महाराष्ट्र मोबाइल नं 998777 5650 व्हाट्सप्प नं 7977408589: Email-editor@rokthoklekhaninews.com